

स्मार्ट सिटीज मिशन

स्मार्ट सिटी मिशन, जिसे कभी-कभी स्मार्ट सिटी मिशन के रूप में संदर्भित किया जाता है, भारत सरकार द्वारा एक शहरी नवीकरण और रेट्रोफिटिंग कार्यक्रम है, जिसके तहत देश भर में 100 स्मार्ट शहरों को विकसित करने के लिए उन्हें नागरिक अनुकूल और टिकाऊ बनाया जा रहा है। [१] केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय संबंधित शहरों की राज्य सरकारों के साथ मिलकर मिशन को लागू करने के लिए जिम्मेदार है।

7 सितंबर 2019 को, औरंगाबाद, महाराष्ट्र में 10,000 एकड़ के औरंगाबाद औद्योगिक शहर (AURIC) का उद्घाटन भारत के पहले ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहर के रूप में किया गया था। [2] [३]

विवरण

स्मार्ट सिटीज मिशन देश में 100 शहरों के भीतर एक क्षेत्र को विकसित करने के लिए एक क्षेत्र विकास योजना के आधार पर मॉडल क्षेत्रों के रूप में विकसित करता है, जिससे शहर के अन्य हिस्सों, [4] और आसपास के शहरों और कस्बों पर रगड़ का प्रभाव पड़ता है। [5] स्मार्ट शहरों की चुनौती के आधार पर शहरों का चयन किया जाएगा, जहां शहर इस मिशन से लाभ प्राप्त करने के लिए एक देशव्यापी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जनवरी 2018 तक, 99 शहरों को स्मार्ट सिटीज मिशन के हिस्से के रूप में अपग्रेड करने के लिए चुना गया है, क्योंकि उन्होंने चुनौती में अन्य शहरों को हराया था। [6]

यह पांच साल का कार्यक्रम है, जिसमें पश्चिम बंगाल [7] को छोड़कर, सभी भारतीय राज्य और केंद्र शासित प्रदेश स्मार्ट सिटी चुनौती के लिए कम से कम एक शहर को नामित करके भाग ले रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा 2017-2022 के बीच शहरों को वित्तीय सहायता दी जाएगी, और मिशन 2022 से परिणाम दिखाना शुरू कर देगा।

प्रत्येक शहर स्मार्ट सिटीज़ मिशन को लागू करने के लिए एक पूर्णकालिक सीईओ की अध्यक्षता में एक विशेष उद्देश्य वाहन (एसपीवी) बनाएगा। [Special] केंद्र और राज्य सरकार कंपनी के बराबर योगदान के रूप में कंपनी को) 1,000 करोड़ (US \$ 140 मिलियन) की धनराशि प्रदान करेंगे ₹ 500 करोड़ (यूएस\$ 72 मिलियन) प्रत्येक। कंपनी को वित्तीय बाजार से ऋण या इक्विटी के रूप में अतिरिक्त धनराशि जुटानी होगी।

स्मार्ट सिटी चैलेंज

शहरी विकास मंत्रालय (MoUD) कार्यक्रम ने क्षेत्र-आधारित विकास रणनीति के आधार पर, धन के लिए शहरों का चयन करने के लिए एक प्रतियोगिता-आधारित पद्धति का उपयोग किया। [१३] शहरों ने राज्य स्तर पर राज्य के भीतर अन्य शहरों के साथ प्रतिस्पर्धा की। फिर राज्य स्तर के विजेता ने राष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट सिटी चैलेंज में भाग लिया। एक विशेष दौर में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले शहरों को मिशन का हिस्सा चुना गया। [उद्धरण वांछित]

राज्य सरकारों को राज्य-स्तरीय प्रतियोगिता के आधार पर संभावित शहरों को नामांकित करने के लिए कहा गया था, जिसमें भारत भर में 100

तक सीमित शहर थे। [14] अगस्त 2015 में शहरी विकास मंत्रालय ने राज्य सरकारों द्वारा भेजी गई 98 प्रत्याशियों की सूची जारी की। [15]

पश्चिम बंगाल (न्यू टाउन, कोलकाता, बिधाननगर, दुर्गापुर, हल्दिया) के सभी भाग लेने वाले शहर स्मार्ट सिटीज मिशन से हट गए हैं। [West] मुंबई [16] और महाराष्ट्र के नवी मुंबई को भी स्मार्ट सिटीज मिशन से हटा लिया गया है। [१ Nav]

वेबसाइट <http://smartcities.gov.in>